भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के महत्पपूर्ण तथ्य

- ☞ महाराष्ट्र में क्रांतिकारी आंदोलन को उभारने का श्रेय तिलक के पत्र 'केसरी' को जाता है।
- ☞ तिलक ने 1893 ई. में गणपति एवं 1895 ई. में शिवाजी उत्सव मनाना प्रारंभ किया।
- ☞ वैलेंटाइन शिरोल ने बाल गंगाधर तिलक को भारतीय असंतोष का जनक कहा था।
- ☞ लॉर्ड डफरिन ने कांग्रेस को केवल सूक्ष्मदर्शी अल्पसंख्यक का प्रतिनिधित्व कहा है।
- ☞ बंकिमचंद्र चटर्जी ने कांग्रसियों को पदों का भूखा राजनीतिक कहा था।
- ☞ कर्जन ने कहा था कि ''कांग्रेस अपने पतन की ओर लड़खड़ती हुई जा रही है।''
- ☞ दादाभाई नौरोजी ने धन निकासी सिद्धांत पक प्रतिपादन किया।
- ☞ दादाभाई नौरोजी (1892ई.) ब्रिटिश हाऊस ऑफ कॉमन्स का चुनाव जीतने वाले प्रथम भारतीय थे और इन्होनें लिबरल पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीता।
- ☞ प्लेग के समय के अत्याचार के रूष्ट होकर पूना के चापेकर बंधुओं (दामोदर एवं बालकृष्ण) ने 1897 ई. में प्लेग अधिकारी रैंड एवं एमहर्स्ट की हत्या कर दी।
- ☞ वर्ष 1902 में बंगाल में पहले क्रांतिकारी संगठन अनशीलन समिति की स्थापना, मिदनापुर में ज्ञानेंद्र नाथ बसु तथा कलकत्ता में प्रथम नाथ मित्र, जतींद्र नाथ बनर्जी और बारींद्र नाथ घोष द्वारा की गई। मार्च, 1902 में कलकत्ता में एक और अनुशीलन समिति शचीन्द्र नाथ वसु के नेतृत्व में बनी थी
- ☞ वर्ष 1906 में पुलिन बिहारी दास ने ढाका अनुशीलन समिति का गठन किया।
- ☞ अरबिन्द घोष ने 'भवानी मंदिन' नामक पैम्पलेट लिखा।
- ☞ विनायक और गणेश दामोदर सावरकर ने वर्ष 1904 में महाराष्ट्र में अभिनव भारत समाज की स्थापना की।
- ☞ वर्ष 1905 में लंदन में श्याम जी कृष्ण वर्मा ने इंडिया होमरूल सोसाइटी की स्थापना की।
- ☞ लॉर्ड कर्जन द्वारा जुलाई, 1905 में बंगाल विभाजन की घोषणा की गई।
- ☞ बंगाल विभाजन के विरोध में 7 अगस्त, 1905 को कलकत्ता के टाउन हाल में स्वदेशी आंदोलन की घोषणा की गई।
- ☞ बंगाल विभाजन 16 अक्टूबर, 1905 को प्रभावी हुआ और इस दिन को शोक दिवस के रूप में मनाया गया।
- ☞ स्वदेशी आंदोलन का विचार सर्वप्रथम वर्ष 1905 में कृष्ण कुमार मित्र ने अपने पत्र संजीवनी में प्रकाशित किया।
- ☞ वर्ष 1906 में बारीद्र घोष तथा भूपेंद्रनाथ दत्त ने युगांतर नामक समाचार-पत्र का प्रकाशन किया

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन, 1906 की अध्यक्षता करते समय दादाभाई नौरोजी ने पहली बार स्वराज की मांग की।
- ☞ कांग्रेस के सूरत अधिवेशन, 1907 में स्वदेशी आंदोलन को चलाने के तरीके को लेकर कांग्रेस उदारवादी (नरम दल) और उग्रवादी (गरम दल) नामक दो दलों में विभाजित हो गई।
- ☞ आंध्र प्रदेश में स्वदेशी आंदोलन को वंदेमातरम आंदोलन के नाम से चलाया गया।
- ☞ रबींद्रनाथ टैगोर ने स्वदेशी आंदोलन के समय एक प्रसिद्ध गीत आमार सोनार बांग्ला लिखा, जो वर्ष 1971 में बाग्लादेश का राष्ट्रीय गीत बना।
- ☞ पी. मित्रा ने बंगाल में 'अनुशीलन समिति' का गठन किया था।
- ☞ अनुशीलन समिति के एक क्रांतिकारी हेंमचंद्र को रूसी क्रांतिकारीयो से बम बनाने की शिक्षा लेने रूस भेजा गया था।
- ☞ ढाका के नवाब सलीम उल्ला खां द्वारा 30 दिसंबर 1906 को ढाका में एक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता बकार-उल-मुल्क ने किया।
- ☞ सलीम उल्ला खां के ढाका सम्मेलन में अखिल भारतीय मुस्लिम लींग की स्थापना हुई।
- ☞ मुस्लिम लींग के संविधान का निर्माण वर्ष 1907 में कराची में हुआ।
- ☞ मुस्लिम लीग के संविधान के अनुसार, इसका पहला अधिवेशन वर्ष 1908 में अमृतसर में हुआ, जिसमें आगा खां को अध्यक्ष बनाया गया।
- ☞ मुस्लिम लीग ने बंगाल विभाजन का समर्थन किया था।
- ☞ प्रफुल्ल चाकी और खुदीराम बोस ने 30 अप्रैल, 1908 को बंगाल प्रेसीडेंसी के मजिसट्रेट किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास किया। प्रफुल्ल चाकी ने पुलिस से बचने के लिए आत्महत्या कर ली तथा खुदीराम बोस को फांसी दे दी गई।
- ☞ खुदीराम बोस फांसी की सजा पाने वाले सबसे कम उम्र के क्रांतिकारी थे।
- ☞ भीकाजी रूस्तम कामा (भारतीय क्रांति की मां) ने वर्ष 1907 में सटुटगार्ट जर्मनी में प्रथम भारतीय राष्ट्रीय झंडे को फहराया था।
- ☞ 1 जुलाई 1909 को मदन लाल ढींगरा ने विलियम कर्जन वायली की गोली मारकर हत्या कर दी। बाद में मदन लाल ढींगरा को फांसी दे दी गई।
- ☞ अजीत सिंह ने लाहौर ने अंजुमन-ए- मोहिबान-ए वतन नामक संस्था की स्थापना की।
- ☞ वायसराय लॉर्ड हार्डिग ने वर्ष 1911 में दिल्ली में भव्य दरबार का आयोजन, इंग्लैड के सम्राट जॉर्ज पंचम एवं महारानी मेरी के स्वागत में किया।
- ☞ इसमें बंगाल विभाजन को रद्द कर दिया गया।

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ राजधानी को कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषाणा हुई। वर्ष 1912 में (वायसराय लॉर्ड हार्डिग के समय में) दिल्ली भारत की राजधानी बनी।
- ☞ रासबिहारी बोस ने 23 दिसंबर, 1912 को दिल्ली में वायसराय लॉर्ड हार्डिग पर बम फेंका, किंतु वह बच गया।
- ☞ हार्डिग पर बम बसंत विश्वास (रास बिहारी के नौकर) ने फेंका था।
- ☞ लॉर्ड हार्डिग की हत्या से संबधित यह मुकदमा दिल्ली षडयंत्र केस के नाम से जाना जाता है।
- ☞ हार्डिग पर बम फेंकने के मुकदमें में बसंत विश्वास, बालमुकंद, अवध बिहारी तथा मास्टर अमीरचंद को फांसी हो गई। रास बिहारी बोस जापान भाग गए।
- ☞ 1 नवंबर, 1913 में अंग्रेज सरकार ने महात्मा गांधी को कैसर-ए-हिंद की उपाधि दी।
- ☞ कामागाटामारू एक जापानी जहाज था, जिसे पंजाब के गुरदित सिंह ने मार्च, 1914 में किराए पर लेकर उस पर 376 यात्रियों को बैठाकर कनाडा के बंदरगाह बैंकूवर की ओर प्रस्थान किया था। तट पर पहुंचने के बाद कनाडाई पुलिस ने भारतीय यात्रियों की घेराबंदी कर उन्हें देश में प्रवेश करने से रोक दिया। यात्रियों के अधिकार की लड़ाई लड़ने हेतु रहीम, बलवंत सिंह तथा सोहन लाल पाठक की अगुवाई में शोर कमेटी का गठन हुआ। कनाडा सरकार के इनकार करने के बाद भारत की ब्रिटिश सरकार ने जाहज को सीधे कलकत्ता लाने का आदेश दिया। जहाज के बजबज (कलकत्ता) पहुंचने पर क्रुद्ध यात्रियों और पुलिस में संघर्ष हुआ, जिसमें 18 यात्री मारे गए तथा शेष को जेल में डाल दिया गया।
- ☞ राजा महेन्द्र प्रताप ने अपने सहयोगी बरकतुल्ला के साथ 1915 ई. मे काबुल मे भारत की प्रथम अस्थायी सरकार का गठन किया था।
- ☞ कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन (1916ई.) में काग्रेस के दोनों दलों (गरम दल एवं नरम दल) में एकता हो गई।
- ☞ बाल गंगाधर तिलक ने अप्रैल, 1916 में होमयल लीग की स्थापना की।
- ☞ गांधीजी ने वर्ष 1917 में अहमदाबाद में साबरमती आश्रम की स्थापना की।
- ☞ बिहार के राजकुमार शुक्ल के आग्रह पर गांधीजी चंपारण गए।
- ☞ गांधीजी द्वारा 'सत्याग्रह' का सर्वप्रथम प्रयोग द.अफ्रीका में वर्ष 1906 में, जबकि भारत में सर्वप्रथम प्रयोग वर्ष 1917 में चंपारण (बिहार) में किया गया।
- ☞ चंपारण सत्याग्रह के कारण अंग्रजों को तिनकठिया प्रथा को समाप्त करना पड़ा।
- ☞ रबींद्रनाथ टैगोर ने सर्वप्रथम गांधी जी का 'महात्मा' कहा था।
- ☞ महात्मा गांधी ने पहली बार भूख हड़ताल अहमदाबाद मिल मजदूरों के समर्थन में वर्ष 1918 में किया।

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ गांधी जी ने वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ा जिले में 'कर नही' आंदोलन चलाया।
- ☞ रौलेट एक्ट 18 मार्च, 1919 को पारित हुआ। इसे 'बिना अपील, बिना वकील, बिना दलील' का कानून कहा गया।
- ☞ रौलेट एक्ट के विरुद्ध 6 अप्रैल, 1919 को गांधी जी ने देशव्यापी हड़ताल का आयोजन किया।
- ☞ 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में डॉ. सतपाल और सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी का विरोध कर रही एक जन सभा पर जनरल डायर ने गोलियां चलवाई, जिसमें कांग्रेस के अनुसार 1000 और सरकारी रिपोर्ट के अनुसार 379 निर्दोष व्यक्ति मारे गए। इस घटना को जलियांवाला बाग हत्याकांड का नाम दिया गया।
- ☞ शंकर नायर ने इस घटना के विरोध में वायसराय की कार्यकारिणी परिषद से इस्तीफा दे दिया।
- ☞ जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध में महात्मा गांधी ने 'कैसर-ए-हिंद', जमनालाल बजाज ने 'राय बहादुर' तथा रबींद्रनाथ टैगोर ने 'सर' की उपाधि वापस कर दिया।
- ☞ जलियांवाला बाग हत्याकांड की जांच हेतु लॉर्ड हंटर की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गई।
- ☞ कांग्रेस की ओर से इस घटना की जांच हेतु मदनमोहन मालवीय की अध्यक्षता में 'तहकीकात कमेटी' (1919 ई.) गठित की गई।
- ☞ खिलाफत आंदोलन भारतीय मुसलमानों का मित्र राष्ट्रों के विरुद्ध विशेषकर ब्रिटेन के खिलाफ टर्की के खलीफा के समर्थन में आंदोलन था।
- ☞ पूरे विश्व में 17 अक्टूबर, 1919 को खिलाफत दिवस के रूप में मनाया गया।
- ☞ महात्मा गाँधी ने 1 अगस्त, 1920 को असहयोग आंदोलन शुरू किया। इसी दिन बाल गंगाधार तिलक की मृत्यु हो गई।
- ☞ मुहम्मद अली जिन्ना, एनी बेसेंट तथा विपिन चंद्र पाल असहयोग आंदोलन से सहमत नहीं थे।
- ☞ गांधी जी ने रौलेट एक्ट, जलियांवाला बाग हत्याकांड के विरोध और खिलाफत आंदोलन के समर्थन में 1 अगस्त, 1920 से असहयोग आंदोलन प्रारंभ किया।
- ☞ विपिनचंद्र पाल, एनी बेसेंट और मुहम्मद अली जिन्ना ने असहयोग आंदोलन से असंतुष्ट होकर कांग्रेस छोड़ दिया।
- ☞ 4 फरवरी, 1922 को गोरखपुर जिले के चौरी-चौरा नामक स्थान पर असहयोग आंदोलनकारियों ने थाने में आग लगा दी, जिसमें अनेक अंग्रेज पुलिसकर्मियों की मृत्यु हो गई।
- ☞ चौरी-चौरा की घटना से आहत होकर 12 फरवरी, 1922 को गांधीजी द्वारा असहयोग आंदोलन स्थगित कर दिया गया।
- ☞ इलाहाबाद में चितरंजन दास एवं मोतीलाल नेहरू ने मार्च, 1923 में कांग्रेस खिलाफत स्वराज पार्टी की स्थापना की।

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ शचींद्रनाथ सान्याल ने वर्ष 1924 में कानपुर में 'हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन' की स्थापना की।
- ☞ काकोरी कांड की घटना 9 अगस्त, 1925 को हुई, जिसमें 8 डाउन ट्रेन में स्थित सरकारी खजाना क्रांतिकारियों द्वारा लूट लिया गया।
- ☞ इस कांड में शामिल रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्र लाहिड़ी, रोशन सिंह को फांसी दी गई तथा शचींद्र नाथ सान्याल को आजीवन कारावास की सजा हुई।
- ☞ 3 फरवरी, 1928 को साइमन कमीशन भारत (मुंबई) आया। इसे व्हाइट मैन कमीशन भी कहा जाता है।
- ☞ लाहौर में 30 अक्टूबर, 1928 को साइमन कमीशन के विरोध में प्रदर्शन के दौरान पुलिस की लाठी से लाला लाजपत राय घायल हो गए तथा बाद में उनकी मृत्यु हो गई।
- ☞ चंद्रशेखर आजाद ने वर्ष 1928 में दिल्ली स्थित फिरोजशाह कोटला में 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' की स्थापना की।
- ☞ भगत सिंह के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने 17 दिसंबर, 1928 को लाहौर के तत्कालीन सहायक पुलिस कप्तान सॉण्डर्स की गोली मारकर हत्या कर दी।
- ☞ पब्लिक सेफ्टी बिल पास होने के विरोध में 8 अप्रैल, 1929 को बटुकेश्वर दत्त एवं भगत सिंह ने दिल्ली में सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली की खाली बेंचों पर बम फेंका और कागज के टुकड़े उड़ाए, जिस पर लिखा था कि हमारा उद्देश्य किसी की जान लेना नहीं, बल्कि बहरों के कानों तक आवाज पहुंचाना है।
- ☞ कांग्रेस के लौहार अधिवेशन, 1929 में पूर्ण स्वराज को अपना लक्ष्य घोषित किया गया। इस अधिवेशन की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने की थी।
- ☞ जवाहरलाल नेहरू द्वारा 31 दिसंबर, 1929 को रात 12 बजे रावी नदी के तट पर तिरंगा झंडा फहराया गया।
- ☞ लाहौर अधिवेशन में 26 जनवरी, 1930 को 'प्रथम स्वाधीनता दिवस' के रूप में मनाने का निश्चय किया गया।
- ☞ महात्मा गांधी ने 12 मार्च, 1930 को अपने 78 (कुछ स्रोतों में 80) समर्थकों के साथ साबरमती आश्रम से लगभग 390 किमी. दूर दांडी के लिए यात्रा शुरू की तथा 24 दिनों के पश्चात 6 अप्रैल, 1930 को दांडी पहुंचकर गांधी जी ने नमक कानून तोड़ा तथा सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरूआत की।
- ☞ उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत के मुसलमानों ने खान अब्दुल गफ्फार खां (सीमांत गांधी) के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाया गया।

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ इस आंदोलन में खान अब्दुल खां के नेतृत्व में गठित 'खुदाई खिदमतगार' या 'लाल कुर्ती' संगठन ने सक्रिय भूमिका निभायी।
- ☞ अमेरिकी पत्रकार 'वेबमिलर' सविनय अवज्ञा आंदोलन से संबंधित थे।
- ☞ तमिलनाडु में सी. राजगोपालाचारी ने त्रिचनापल्ली से वेदारण्यम तक नमक यात्रा की।
- ☞ 5 मार्च, 1931 को गांधी-इर्विन समझौता हुआ। इसके बाद गांधी जी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित कर दिया।
- ☞ गांधी-इर्विन समझौते को दिल्ली समझौता भी कहा जाता है।
- ☞ प्रथम गोलमेज सम्मेलन 12 नवंबर, 1930 से 19 जनवरी, 1931 तक लंदन में आयोजित किया गया। यह पहली ऐसी वार्ता थी, जिसमें ब्रिटिश शासकों द्वारा भारतीयों को बराबर का दर्जा दिया गया।
- ☞ दूसरा गोलमेज सम्मेलन 7 सितंबर, 1931 से 1 दिसंबर, 1931 तक हुआ। महात्मा गांधी ने कांग्रेस प्रतिनिधि के रूप में इसमें भाग लिया।

  नोटः द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में गांधी जी ने 'एस.एस. राजपुताना' नामक जहाज से कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में इंग्लैंड पहुंचे।
- ☞ दूसरा गोलमेज सम्मेलन सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के कारण असफल रहा।
- ☞ दूसरे गोलमेज सम्मेलन की असफलता के बाद गांधी जी ने 3 जनवरी, 1932 को पुनः सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ कर दिया।
- ☞ तृतीय गोलमेज सम्मेलन 17 नवंबर, 1932-24 दिसंबर, 1932 तक हुआ।
- ☞ तीनों गोलमेज सम्मेलनों के समय इंग्लैंड के प्रधानमंत्री जेम्स रैम्जे मैक्डोनाल्ड थे।
- ☞ डॉ. भीमराव अंबेडकर ने लंदन में हुए तीनों गोलमेज सम्मेलनों में अछूतों के प्रतिनिधि के रूप में प्रतिभाग किया।
- ☞ 16 अगस्त, 1932 को तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैक्डोनाल्ड ने सांप्रदायिक पंचाट (कम्युनल अवॉर्ड) को प्रस्तुत किया। इसके तहत मुसलमान व सिख के साथ-साथ दलित वर्ग को भी अल्पसंख्यक मानकर हिंदुओं से अलग कर दिया गया।
- ☞ इस निर्णय के विरोध में गांधी जी ने पूना के यरवदा जेल में ही 20 सितंबर, 1932 को आमरण अनशन प्रारंभ कर दिया।
- ☞ 24 सितंबर, 1932 को गांधी जी की ओर से मदन मोहन मालवीय तथा अन्य नेता व अंबेडकर के मध्य एक समझौता हुआ, जिसे 'पूना समझौता' के नाम से जाना गया। इसके तहत दलित वर्गों के पृथक् निर्वाचक मंडल समाप्त कर दिए गए, लेकिन प्रांतीय विधान मंडलों में दलित वर्गों के लिए सुरक्षित सीटों की संख्या 71 से बढ़ाकर 148 कर दी गई। केंद्रीय विधान मंडल में हरिजनों के लिए सुरक्षित सीटों की संख्या में 18 प्रतिशत की वृद्धि की गई।

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ गांधी जी द्वारा सविनय अवज्ञा अंतिम रूप से 7 अप्रैल, 1934 को वापस ले लिया गया।
- ☞ गढ़वाल राइफल्स के जवानों ने सविनय अवज्ञा आंदोलन के पठान सत्याग्रहियों पर गोली चलाने से मना कर दिया।
- ☞ 23 मार्च, 1931 को भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को फांसी दे दी गई।
- ☞ कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना मई, 1934 में हुई।
- ☞ अखिल भारतीय किसान सभा का प्रथम सम्मेलन वर्ष 1936 में स्वामी सहजानंद की अध्यक्षता में हुआ। इसके महासचिव एन.जी. रंगा चुने गए।
- ☞ कांग्रेस के त्रिपुरी अधिवेशन, 1939 में महात्मा गांधी द्वारा प्रस्तावित प्रत्याशी पट्टाभि सीतारमैय्या को हराकर सुभाषचंद्र बोस कांग्रेस के अध्यक्ष बने।
- ☞ सुभाष चंद्र बोस ने 3 मई, 1939 को कांग्रेस के भीतर ही फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना की।
- ☞ पंजाब के ऊधम सिंह ने 13 मार्च, 1940 को पंजाब के पूर्व लेफ्टिनेंट गवर्नर डायर की लंदन में गोली मारकर हत्या कर दी।
- ☞ गांधी जी ने 17 अक्टूबर, 1940 को महाराष्ट्र के पवनार में व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू किया।
- ☞ पवनार आंदोलन या व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन के प्रथम सत्याग्रही विनोबा भावे, दूसरे जवाहरलाल नेहरू तथा तीसरे ब्रह्म दत्त थे।
- ☞ वर्धा में 14 जुलाई, 1942 के कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' प्रस्ताव पास किया गया।
- ☞ 7 अगस्त, 1942 को कांग्रेस की बैठक बंबई के ऐतिहासिक ग्वालिया टैंक मैदान में हुई, जहां 8 अगस्त को 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' को स्वीकार कर लिया गया।
- ☞ भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत 9 अगस्त, 1942 को की गई।
- ☞ भारत छोड़ो आंदोलन में गांधी जी ने 'करो या मरो' का नारा दिया।
- ☞ 'ऑपरेशन जीरो ऑवर' के अंतर्गत सभी महत्वपूर्ण कांग्रेसी नेताओं को 8 अगस्त, 1942 की रात ही गिरफ्तार कर लिया गया।
- ☞ गांधी जी को पूना के आगा खां पैलेस में तथा कांग्रेस कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों को अहमदनगर के दुर्ग में रखा गया।
- ☞ हजारीबाग के सेट्रंल जेल से भागने के बाद जयप्रकाश नारायण ने भूमिगत होकर इस आंदोलन की बागडोर संभाली।
- ☞ इस आंदोलन के दौरान बलिया, तामलुक तथा सतारा जैसे स्थानों पर समानांतर सरकारों की स्थापना हुई।

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ जून, 1942 में रास बिहारी बोस के नेतृत्व में इंडियन इंडिपेंडेंस लीग का गठन किया गया था। रास बिहारी बोस दिल्ली षड़यंत्र केस से बचने के लिए जापान चले गए थे।
- ☞ इंडियन नेशनल आर्मी (आजाद हिंद फौज) के गठन का विचार सर्वप्रथम कैप्टन मोहन सिंह के मन में आया तथा इसकी स्थापना 1 सितंबर, 1942 को रासबिहारी बोस द्वारा की गई। मोहन सिंह कमांडर-इन चीफ बनाए गए थे।
- ☞ 4 जुलाई, 1943 में सुभाष चंद्र बोस को आजाद हिंद फौज का सर्वोच्च सेनापति बनाया गया था।
- ☞ 21 अक्टूबर, 1943 को सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार का गठन सुभाष चंद्र बोस ने किया।
- ☞ आजाद हिंद फौज के तीन ब्रिगेडों का नाम सुभाष ब्रिगेड, गांधी ब्रिगेड तथा नेहरू ब्रिगेड एवं महिलाओं की ब्रिगेड का नाम 'लक्ष्मीबाई ब्रिगेड' रखा गया था।
- ☞ सुभाष चंद्र बोस को जापान ने 30 दिसंबर, 1943 को अंडमान व निकोबार द्वीप समूह सौंप दिया जिसका नाम उन्होंने क्रमशः 'शहीद द्वीप' तथा 'स्वराज द्वीप' रखा।
- ☞ आजाद हिंद फौज के अधिकारियों पी.के. सहगल, कर्नल गुरुदयाल डिल्लन तथा मेजर शाहनवाज हुसैन पर राजद्रोह के आरोप में दिल्ली के लाल किले में मुकदमा चलाया गया। बाद में जन विरोध के कारण वायसराय ने इनकी सजा माफ कर दी।
- ☞ आजाद हिंद फौज के अभियुक्तों की ओर से तेज बहादुर सप्रू, जवाहरलाल नेहरू, भूला भाई देसाई एवं के.एन. काटजू ने पैरवी की।
- ☞ आजाद हिंद फौज के अभियुक्तों की ओर से भूला भाई देसाई ने वकीलों के समूह की अध्यक्षता की थी।
- ☞ आई.एन.एस. तलवार नामक जहाज पर मुंबई में 18 फरवरी, 1946 को नौसेना ने विद्रोह कर दिया।
- ☞ भारतीय और ब्रिटिश सैनिकों में बराबरी के व्यवहार की मांग को लेकर 19 फरवरी, 1946 को कराची में वायुसेना के सैनिकों ने ब्रिटिश सरकार के खिलाफ हड़ताल कर दिया। यह हड़ताल शीघ्र ही लाहौर, दिल्ली और बंबई में भी प्रारंभ हो गई।
- ☞ सरदार पटेल के दबाव में आकर नौसेना ने विद्रोह समाप्त कर दिया।
- ☞ 24 मार्च, 1946 को कैबिनेट मिशन पैथिक लॉरेंस के नेतृत्व में दिल्ली आया। इसके अन्य सदस्य थे-स्टेफोर्ड क्रिप्स (अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ ट्रेड), एवं ए.वी. अलेक्जेंडर (नौसेना मंत्री)।
- ☞ कैबिनेट मिशन योजना को मुस्लिम लीग ने 6 जून, 1946 को और कांग्रेस ने 24 जून, 1946 को स्वीकार कर लिया।
- ☞ कांग्रेस और मुस्लिम लीग द्वारा कैबिनेट मिशन को स्वीकार करने के पश्चात संविधान सभा के निर्माण के लिए जुलाई, 1946 में चुनाव हुआ, जिसमें कांग्रेस ने 208 स्थान प्राप्त किए जिसमें 4 सिक्ख सदस्य भी शामिल थे। मुस्लिम लीग को 73 स्थान प्राप्त हुए।

Ranjeet Yadav Sir

- ☞ मुस्लिम लीग ने 16 अगस्त, 1946 ई. को 'सीधी अथवा प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' मनाया।
- ☞ 2 सितंबर, 1946 की जवाहरलाल नेहरू ने अंतरिम सरकार का गठन किया।
- ☞ भारत विभाजन की माउंटबेटन योजना 3 जून, 1947 को प्रकाशित की गई।
- ☞ कांग्रेस कार्य समिति द्वारा 3 जून, 1947 की बैठक में माउंटबेटन योजना को स्वीकार कर लिया गया।
- ☞ मुस्लिम लीग ने 10 जून, 1947 को माउंटबेटन योजना को भारी बहुमत से स्वीकार किया।
- ☞ 4 जुलाई, 1947 को ब्रिटिश संसद में भारतीय स्वाधीनता विधेयक प्रस्तुत किया गया 15 जुलाई को हाउस ऑफ कॉमन्स तथा 16 जुलाई को हाउस ऑफ लॉर्ड्स द्वारा पारित कर दिया गया। 18 जुलाई को उस पर ब्रिटिश सम्राट ने हस्ताक्षर कर दिए।
- ☞ इस विधेयक के अनुसार, देश को दो डोमिनियनों भारत एवं पाकिस्तान में बांट दिया गया तथा इनको पूरी स्वतंत्रता एवं प्रभुसत्ता सौंप दी गयी।
- ☞ 14 अगस्त को पाकिस्तान तथा 15 अगस्त को भारतीय अधिराज्य की स्थापना हुई।
- ☞ भारत की आजादी के समय इंग्लैंड के सम्राट जार्ज षष्टम थे और यह राष्ट्रमंडल देशों का प्रथम प्रधान था।
- ☞ भारत की आजादी के समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली थे। एटली लेबर पार्टी के नेता थे।
- ☞ भारत की आजादी के समय कांग्रेस के अध्यक्ष जे.बी. कृपलानी थे।

Ranjeet Yadav Sir